अमर उजाला

Dehradun News: सेलाकुई में नकली दवाएं बना रही फैक्टरी सील की

पंजाब पुलिस की कार्रवाई के बाद प्रशासन ने सेलाकुई स्थित दवा बनाने वाली फैक्टरी रेपो रेमेडीज को सील कर दिया। पंजाब पुलिस ने इसके मालिक नजीबाबाद, बिजनौर निवासी उस्मान को भी गिरफ्तार किया था। प्रशासन ने अन्य फैक्टरियों की निगरानी भी शुरू कर दी है। आशंका है कि कुछ और फैक्टरियों में इस तरह से दवा निर्माण किया जा रहा है।

पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने नकली दवाओं के साथ कुछ युवकों को गिरफ्तार किया था। पता चला कि इन दवाओं का निर्माण सेलाकुई की फैक्टरी में हो रहा है। इसके बाद अमृतसर पुलिस शनिवार को सेलाकुई पहुंची थी। यहां पर स्थानीय पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस ने फैक्टरी मालिक उस्मान को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पूछताछ में पता चला कि उसकी फैक्टरी रेपो रेमेडीज का लाइसेंस अक्तूबर में समाप्त हो गया था। उसने इसके लिए आगे आवेदन भी नहीं किया और दवाओं का निर्माण कर रहा था।

फैक्टरी से नकली टैबलेट और कैप्सूल बरामद किए गए थे। कार्रवाई के दौरान स्थानीय ड्रग विभाग की टीम भी साथ रही। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर सुधीर कुमार ने बताया कि पंजाब पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्होंने प्रशासन को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। प्रशासन ने फैक्टरी को सील कर दिया है। अन्य फैक्टरियों में होने वाली गतिविधियों की निगरानी की जा रही है।

प्रशासन की नाक के नीचे पैर पसार रहा नकली दवाओं का काला धंधा

देवभूमि उत्तराखंड में नकली दवा बनाने का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। प्रशासन और ड्रग विभाग की इतनी बड़ी फौज भी इससे अनजान बनी हुई है। हालात ये हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों की आंख पुलिस की कार्रवाई के बाद ही खुलती है। इसके बाद चेकिंग होती है और संबंधित जगह को सील कर दिया जाता है।

बता दें कि पिछले साल एसटीएफ ने हरिद्वार के मंगलौर, लक्सर आदि क्षेत्रों में एक के बाद एक पांच कार्रवाई की थीं। यहां पर जीवन रक्षक दवाएं तक नकली बनाई जा रही थीं। एंटीबायोटिक दवाओं की तो पूरी खेप एसटीएफ ने मंगलौर के एक गोदाम से बरामद की। इन सब मामलों में एसटीएफ ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। उस वक्त कुछ दिनों तक चेकिंग हुई और सतर्कता बरती गई। पूरे प्रदेश में इस तरह की चेकिंग का दावा किया गया, लेकिन हालात अब भी नहीं बदले।

व्यापार के लिए कोरियर की लेते हैं मदद

इस तरह की दवाएं बनाने वाले कोरियर का सहारा लेते हैं। ये कहीं भी सरकारी सिस्टम में नहीं आते। पिछले दिनों एसटीएफ ने जब जांच की तो पता चला कि कोरियर से ये देश के तमाम हिस्सों में दवा सप्लाई करते हैं। इस तरीके से वह न तो किसी चेकपोस्ट पर पकड़े जाते हैं और न ही किसी टैक्स या ड्यूटी की जद में आते हैं।

Source: https://www.amarujala.com/dehradun/factory-making-fake-medicines-sealed-in-selaqui-city-news-drn432115559